हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सांबा
[तृतीय सत्र]

विषय कोड सं. PGHND3C003T : CORE COURSE

हिन्दी आलोचना

समय : 3 घण्टे
अंक : 100

खण्ड - क

बहु - विकल्पीय प्रश्न

10X1.5=15

प्रश्न 1 - 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक निम्नलिखित में से कौन है ?
(क) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (ख) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
(ग) बालकृष्ण भट्ट (घ) प्रताप नारायण मिश्र

प्रश्न 2 - 'नाटक' नामक सैद्धांतिक आलोचनात्मक ग्रंथ का लेखक कौन है ?
(क) बालमुकुन्द गुप्त (ख) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
(ग) प्रताप नारायण मिश्र (घ) लाला श्रीनिवासदास

प्रश्न 3 - 'रसज्ञ रंजन' नामक ग्रंथ किस आलोचक का है ?
(क) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी (ख) डॉ० रामविलास शर्मा
(ग) बाबू श्यामसुंदरदास (घ) मिश्रबंधु

प्रश्न 4 - 'बिहारी और देव' नामक आलोचनात्मक कृति किस वर्ग में आती है ?
(क) सैद्धांतिक आलोचना (ख) ऐतिहासिक आलोचना
(ग) व्यवहारिक आलोचना (घ) तुलनात्मक आलोचना

प्रश्न 5 – तुलसीदास की सर्वश्रेष्ठ कवि मानने वाली आलोचक हैं।
(क) डॉ० रामविलास शर्मा (ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ग) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) डॉ० नगेन्द्र

प्रश्न 6 – सौन्दर्यवादी आलोचक माने जाते हैं।
(क) डॉ० नगेन्द्र (ख) डॉ० नागर सिंह
(ग) आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी (घ) डॉ० रामविलास शर्मा

प्रश्न 7 – 'कबीर' नामक आलोचनात्मक पुस्तक के लेखक हैं।
(क) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) रामचंद्र तिवारी
(ग) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी (घ) डॉ० नागर सिंह

प्रश्न 8 – 'निराला की साहित्य साधना' नामक पुस्तक के लेखक हैं।
(क) डॉ० नामवर सिंह (ख) आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
(ग) डॉ० रामविलास शर्मा (घ) शिवदानसिंह चौहान

प्रश्न 9 – 'काव्यकला तथा अन्य निबंध' का सम्बन्ध किस आलोचक से है?
(क) जयशंकर प्रसाद (ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(ग) सुमित्रानंदन पंत (घ) अज्ञेय

प्रश्न 10 – 'तार सप्तक' का सम्बन्ध किस आलोचक से है?
(क) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ख) गजानन माधव मुक्तिबोध
(ग) अज्ञेय (घ) जयशंकर प्रसाद

खण्ड – ख

लघु – उत्तरीय प्रश्न $5 \times 8 = 40$

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
निम्नांकित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

प्रश्न 1- आलोचना की अस्मिता से आप क्या समझते हैं?
प्रश्न 2- आलोचना के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 3- रामकृष्ण यह की आलोचना पद्धति को स्पष्ट कीजिए।
अथवा
प्रश्न 4- द्विवेदीयुगीन आलोचना पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यवहारिक आलोचना
अथवा
को उदाहरण सहित समझाइए।
प्रश्न 6- नंद दुलारे वाजपेयी की आलोचना से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
अथवा
प्रश्न 7- ऐतिहासिक आलोचना के संदर्भ में हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 8- डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पर प्रकाश डालिए।
अथवा
प्रश्न 9- अज्ञेय की आलोचनात्मक दृष्टि का परिचय दीजिए।
प्रश्न 10- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की आलोचना पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ग

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न

3 X 15 = 45

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
प्रश्न 1- मार्क्सवादी आलोचना से आप क्या समझते हैं? इस संदर्भ में डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 2- आलोचना के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 3- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 4- डॉ० नगेन्द्र की आलोचन पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5- जयशंकर प्रसाद की आलोचना दृष्टि को स्पष्ट कीजिए